डाक संस्करण

www.facebook.com\rashtriyasahara | https://twitter.com/SaharaRashtriya | www..rashtriyasahara.com

राष्ट्रीय सहारा

राष्ट्रीयता ■ कर्तव्य ■ समर्पण

■ कानपुर ■ नई दिल्ली ■ लखनऊ ■ गोरखपुर ■ पटना ■ देहरादून ■ वाराणसी से प्रकाशित

कानपुर

बुधवार ● 9 मार्च ● 2022

••••••+ पृष्ठ 16, मूल्य ₹ 4.00

कपिल देव बनने के लिए मध्यम तेज गेंदबाजी करता था : अश्विन पेज-12

सराफा दिल्ली सोना (प्रति 10 ग्राम) ₹ 53,812 | चांदी (प्रति किलो) ₹ 71,297 | शेयर सेंसेक्स 52,261 +582 | निफ्टी 16,013 +150 | विनिमय दर ₹/$ 77.00 -0.07 | मौसम (कानपुर) तापमान अधिकतम 29.2° | न्यूनतम 10.8°

महिलाओं को अधिकारों के लिए किया जागरूक

झांसी : महिला दिवस कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अथितिगण। फोटो : एसएनबी

झांसी (एसएनबी)। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी के प्रांगण में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। डॉ. नीति शास्त्री पूर्व प्रधानाध्यापिका, केन्द्रीय विघालय को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। इस बार महिला दिवस 2022 का थीम जेंडर इक्वैलिटी फार ए सस्टेनेबल टुमारो यानी स्थायी कल के लिए आज लैंगिक समानता है। डॉ. नीति शास्त्री ने महिला को षक्ति का नाम दिया और बताया कि हर दिन इन्सानियत का उत्सव है जिसकी केंद्र बिंदु महिला है।

उन्होंने लैंगिक समानता की बात करते हुए कहा है कि समाज में महिला तथा पुरूष के समान अधिकार, दायित्व तथा रोजगार है। देष के विकास के लिए लैंगिक समानता सबसे आवष्यक है और इससे समाज में भेदभाव खत्म किया जा सकता है। संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि यह महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाने का दिन है। लैंगिक समानता को स्थायी कल से जोड़ना एक नैतिक अनिवार्यता है। महिलाओं का ज्ञान और उनके सामूहिक कार्रवाई से अपार लाभ हो सकते है जैसे संसाधन उतपादन में सुधार, परिस्थितिकी तंत्र संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों का सतत उपयोग इसलिए हमें एक स्थायी कल के लिए महिलाओं को केन्द्रीय अभिनेता के रूप में देखना चाहिए, ना की एक अवला नारी के रूप में। कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी शोधकर्ता एवं छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रियंका सिंह एवं धन्यवाद प्रस्ताव श्रीमती कीर्ति चतुर्वेदी ने किया।

महिला दिवस पर गोष्ठी आयोजित

झांसी। श्री कल्याण बाल विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक गोष्ठी आयोजित की गई जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में थाना अध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी तथा विशिष्ट अतिथि अनुपम मिश्रा सब इंस्पेक्टर तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य सत्य प्रकाश दुबे की अध्यक्षता में विद्यालय की वरिष्ठ अध्यापक श्रीमती सरोज अद्जरिया द्वारा महिला दिवस पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में मातृशक्ति को सशक्त करने का संदेश दिया जिसमें राम मनोहर लोहिया महिला महाविद्यालय की छात्राध्यापिकाओं कु. आयुषी गुप्ता, कल्पना वर्मा,शिवानी पटेल,रेनू वर्मा,बसुन्धरा रश्मि, कामिनी नायक के निर्देशन में विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा कार्यक्रम किए गए। इस अवसर पर हरिकांत नायक, हरी बाबू शर्मा, प्रमोद सिंह ,हरिओम सचान, राम सिंह यादव, ओमप्रकाश वि वकर्मा,श्याम सुंदर रिछारिया, राजेश व्यास, बलवंत सिंह, चंद्रभान नायक, प्रत्यूष पालीवाल, प्रकाश कुशवाहा,सुमन रैकवार, चंदा परिहार, सुनीता सेन तथा अजय उपस्थित रहे।अंत मे राम मनोहर लोहिया महिला के बीएड के विभागाध्यक्ष नीलेश यादव ने आभार व्यक्त किया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

जल सहेलियों ने मनाया महिला दिवस

झांसी। राही वीरांगना के सभागार में विश्व महिला दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर झांसी एवं ललितपुर की जल सहेलियों के द्वारा सहभागिता की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. सीमा पाण्डे के द्वारा जल सहेलियों की सराहना की गई। इस दौरान उन्होंने कहा कि बुन्देलखण्ड की सबसे बड़ी समस्या जल है इस जल को लेकर जल सहेलियां जो कार्य कर रही है वही इस महिला दिवस की थीम है। बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के सहायक प्राचार्य डॉ. मुहम्मद नईम ने कहा कि आज हम यह विश्व महिला दिवस उन महिलाओं के बीच मना रहे है जो रानी लक्ष्मीबाई की तरह बुन्देलखण्ड को बचाने का बीड़ा उठाये हुयी है। नबावाद थाना की महिला थानाध्यक्ष नीलेश कुमारी ने कहा कि यह देखकर बड़ा अच्छा लग रहा है कि महिलाऐं विश्व महिला दिवस को एक त्यौहार जैसा मना रही है। जिस दिन हम अपने अधिकारों को जान जायेगे आप अपने आप सशक्त हो जायेगे।

परमार्थ समाज सेवी संस्थान की राज्य समन्वयक शिवानी सिंह ने कहा कि जल सहेली जो पानी के संकट को दूर करने का काम कर रही है, इनके कामों [illegible] शक्ति मंत्रालय के द्वारा इन्हें [illegible] गया है। इन्होंने पानी के [illegible] बुन्देलखण्ड को फिर से पानीदा[illegible] प्रयास किया है। जिसके कारण इन्हें कई राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सम्मान से नवाजा गया है। साहित्य के क्षेत्र में काम कर रही डॉ. निधी अग्रवाल ने कहा कि आप लोगों के पास एकता की शक्ति है, आज यह शक्ति आप सबमें दिख रही है।

7

कानपुर, बुधवार 9 मार्च, 2022

** नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य 3.00 रुपया

हिन्दी जगत में सर्वाधिक लोकप्रिय

वाराणसी | गोरखपुर | प्रयागराज कानपुर (झांसी) | लखनऊ आगरा | बरेली | पटना रांची (धनबाद संस्करण) जमशेदपुर

online Edition www.ajhindidaily.com

आज

तापमान अधिकतम 29.2 डि.से. न्यूनतम 10.8 डि.से. आर्द्रता- 95-40%

10 एलेक्जेंडर ज्वेरेव — एटीपी ने किया निलंबित

सोनाक्षी सिन्हा 7 — गैर जमानती वारंट की खबरें पूरी तरह से अफवाह

केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

झांसी, ८ मार्च। (आज समाचार सेवा) केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी के प्रांगण में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। डॉ. नीति षास्त्री पूर्व प्रधानाध्यापिका, केन्द्रीय विघालय, झाँसी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया ।इस बार महिला दिवस 2022 का थीम जेंडर इक्कैलिटि फार ए सस्टेनेबल टुमारो यानी स्थायी कल के लिए आज लैंगिक समानता है।

डॉ. नीति शास्त्री ने महिला को षक्ति का नाम दिया और बताया कि हर दिन इन्सानियत का उत्सव है जिसकी केंद्र बिंदु महिला है। उन्होंने लैंगिक समानता की बात करते हुए कहा है कि समाज में महिला तथा पुरूष के समान अधिकार, दायित्व तथा रोजगार है। देष के विकास के लिए लैंगिक समानता सबसे आवष्यक है और इससे समाज में भेदभाव खत्म किया जा सकता है। संस्थान के निदेषक डॉ. ए. अरूणाचलम ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि यह महिलाओं की उपलब्धियों का जष्न मनाने का दिन है।

अतिथि को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए। छाया-आज

लैंगिक समानता को स्थायी कल से जोडना एक नैतिक अनिवार्यता है। महिलाओं का ज्ञान और उनके सामूहिक कार्रवाई से अपार लाभ हो सकते हैं जैसे संसाधन उतपादन में सुधार, परिस्थितिकी तंत्र संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों का सतत उपयोग ।इसलिए हमें एक स्थायी कल के लिए महिलाओं को केन्द्रीय अभिनेता के रूप में देखना चाहिए, ना की एक अवला नारी के रूप में।

कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी ष्पोधकर्ता एवं छात्रों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रियंका सिंह एवं धन्यवाद प्रस्ताव श्रीमती कीर्ति चतुर्वेदी ने किया।